

# THE CONSTITUTION OF INDIA

## Chapter IV A

### Fundamental Duties

#### ARTICLE 51A

**Fundamental Duties** — It shall be the duty of every citizen of India —

- (a) to abide by the Consitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;
- (b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;
- (c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;
- (d) to defend the country and render national service when called upon to do so;
- (e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;
- (f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;
- (g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wild life and to have compassion for living creatures;
- (h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;
- (i) to safeguard public property and to abjure violence;
- (j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;
- (k) who is a parent or guardian to provide opportunities for education to his child or, as the case may be ward between the age of six and fourteen years.

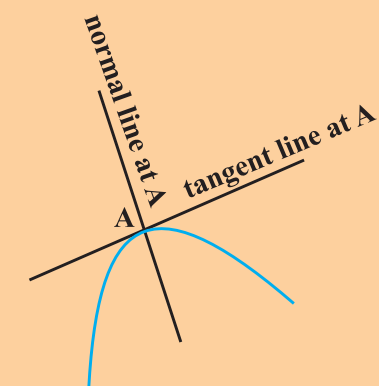
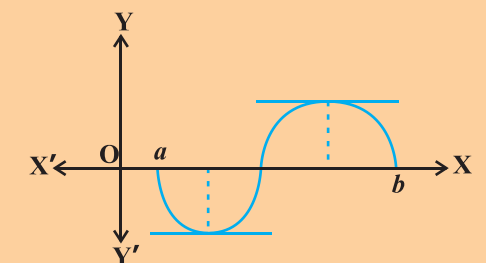
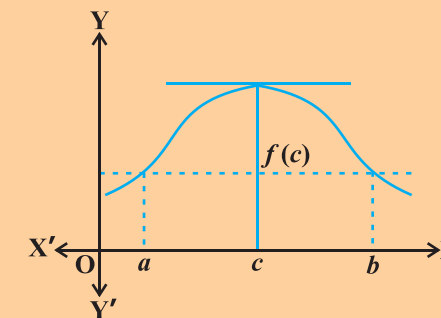
MATHEMATICS

Textbook for Class XII  
PART I



# MATHEMATICS

## Textbook for Class 12 Part - I



Madhya Pradesh Rajya Shiksha Kendra, Bhopal

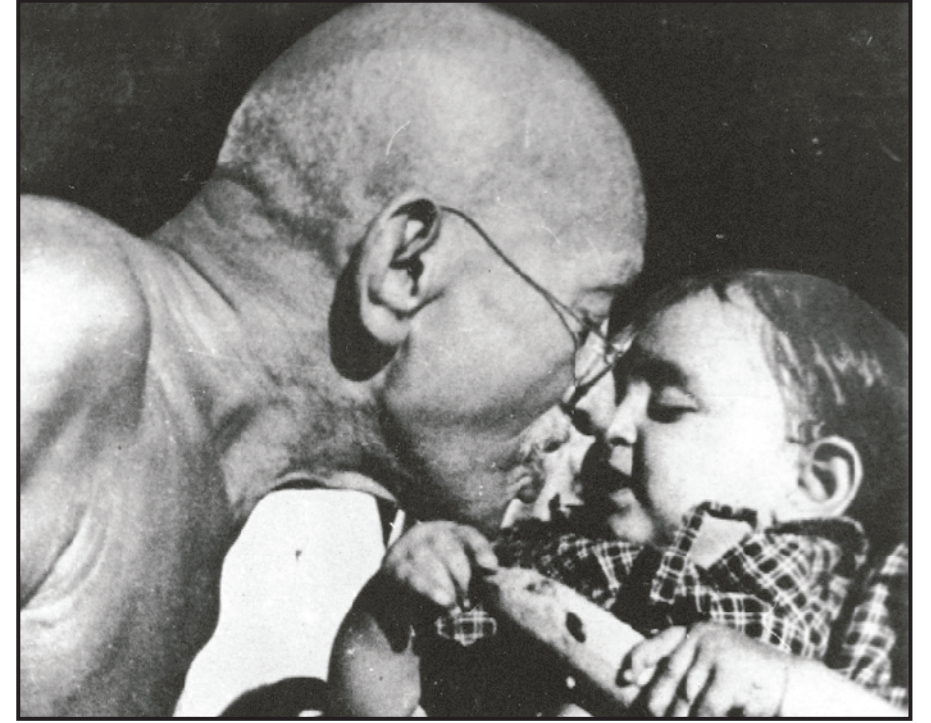


### राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे  
भारत-भाग्य-विधाता  
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा  
द्राविड़-उत्कल-बंग  
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा  
उच्छल-जलधि-तरंग  
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे,  
गाहे तव जय-गाथा ।  
जन-गण-मंगल-दायक जय हे  
भारत-भाग्य-विधाता  
जय हे, जय हे, जय हे,  
जय जय जय जय हे ।

(हर देश का अपना एक विशिष्ट झंडा और राष्ट्रगान होता है। “तिरंगा झंडा” भारतवर्ष का राष्ट्रध्वज है और “जनगणमन” राष्ट्रगान। राष्ट्रध्वज में ऊपर की पट्टी केसरिया रंग की और नीचे की हरे रंग की होती है। बीच की सफेद पट्टी के बीचों बीच २४ शलाकाओं का नीले रंग में गोल-चक्र होता है। केसरिया रंग त्याग का, सफेद शांति का और हरा रंग प्रकृति की सुन्दरता का प्रतीक है। चक्र का स्वरूप अशोक की सारनाथ-स्थित सिंहमुद्रा में अंकित चक्र की भाँति है यह चक्र सत्य और सब धर्मों का प्रतीक है।)

राष्ट्रगान की रचना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने की थी। इसमें संपूर्ण देश के लिए मंगल-कामना है। राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। जब राष्ट्रगान गाया जाये या उसकी धुन बजाई जाये अथवा राष्ट्रध्वज फहराया जाये, तब हमें सावधान की स्थिति में खड़े होकर इसे सम्मान देना चाहिए।)



विद्यार्थियों को ऐसी तालीम दी जानी चाहिए जिससे वे संसार के महान धर्मों को आदर के साथ सीख सकें।

—महात्मा गांधी

## राष्ट्र-गीत

### वन्दे मातरम्

श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय : आनन्दमठ

वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम् ।  
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम् ।  
शस्य श्यामलाम् मातरम् । वन्दे मातरम् ॥  
शुभ्रज्योत्स्नाम् पुलकित यामिनीम् ।  
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम् ॥  
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम् ।  
सुखदाम् वरदाम् मातरम् । वन्दे मातरम् ॥